

करते हों 2. सहायक, मददगार 3. सहकारिता पर आधारित।

सहगण पुं. (तत्.) 1. संश्रय, आश्रय, शरण 2. कुछ विशिष्ट प्रकार के दलों, शक्तियों आदि का किसी उद्देश्य की सिद्धि के लिए आपस में मैत्री स्थापित करना alliance

सहगमन पुं. (तत्.) 1. किसी के साथ जाना 2. पति की मृत्यु के पश्चात् पत्नी का शीघ्र ही मर जाना 3. पत्नी के द्वारा पति की चिता में स्वयं भी भस्म हो जाना।

सहगान पुं. (तत्.) समवेत गायन, अनेक व्यक्तियों का एक साथ गायन (कोरस)।

सहगामी वि. (तत्.) 1. साथ चलने वाला, साथी 2. अनुयायी।

सहगामिनी स्त्री. (तत्.) 1. पत्नी, सहचरी, साथिन 2. पति के शव के साथ सती हो जाने वाली स्त्री।

सहचर वि. (तत्.) साथ चलने वाला, साथी पु. 1. मित्र, साथी 2. पति।

सहचार पुं. (तत्.) 1. साहचर्य 2. सामंजस्य 3. संगति 4. वह अवस्था जिसमें व्यक्तियों, विचारों आदि में पूरी-पूरी संगति हो।

सहचार उपाधि लक्षण स्त्री. (तत्.) साहित्य में, एक प्रकार की लक्षणा शब्द शक्ति जिसमें जड़ सहचारी के कहने से चेतन सहचारी का बोध होता है।

सहचारिणी स्त्री. (तत्.) 1. साथ में रहने वाली, सहचारी। 2. पत्नी, भार्या।

सहचारिता स्त्री. (तत्.) सहचारी होने की अवस्था, गुण या भाव।

सहचारित्व पुं. (तत्.) सहचारिता।

सहचारी पुं. (तत्.) 1. साथ चलने या रहने वाला 2. राजदूत के कार्यालय में तकनीकी कार्य के लिए नियुक्त वरिष्ठ अधिकारी।

सहज वि. (तत्.) 1. स्वाभाविक, प्राकृतिक 2. जो किसी के साथ उत्पन्न हुआ हो, जन्मजात 3.

सरल, आसान, साधारण पुं. 1. स्वभाव 2. स्वाभाविक चेष्टा 3. सहोदर भाई क्रि.वि. 1. बिना किसी अन्य सजावट या आभूषण आदि के 2. स्वाभाविक रूप से 3. आडम्बर रहित 4. सुगमता/आसानी से।

सहज ज्ञान वि. (तत्.) 1. ऐसा ज्ञान जो, प्राणी को प्राकृतिक रूप से या जन्मजात मिला होता है 2. सहज बुद्धि, स्वाभाविक रूप से प्राप्त बुद्धि।

सहजता स्त्री. (तत्.) 1. स्वाभाविकता 2. सरलता 3. सहज होने की अवस्था 4. आसानी।

सहजधारी पुं. (तत्.) सिक्ख संप्रदाय में, वह व्यक्ति जो सिर तथा दाढ़ी के बाल न बढ़ाता हो पर फिर भी गुरु ग्रंथ साहिब का अनुयायी समझा जाता हो।

सहजध्यान पुं. (तत्.) सहज-समाधि, परब्रह्म के एकाग्र ध्यान की स्वाभाविक स्थिति।

सहजन पुं. (तत्.) 1. परिवार के लोग या आत्मीय जन 2. सहिजन नाम का एक वृक्ष।

सहजन्मा वि. (तत्.) 1. सहोदर 2. जुड़वाँ।

सहजपंथ पुं. (तत्.) प्रेम साधना पर आश्रित वैष्णव सहजिया संप्रदाय, जो राधा-कृष्ण की उपासना करता है।

सहजबुद्धि स्त्री. (तत्.) जीव-जंतुओं की स्वाभाविक बुद्धि।

सहजमार्ग पुं. (तत्.) 1. सरल, स्वाभाविक मार्ग 2. सहजिया संप्रदाय की साधना-पद्धति जिसमें प्रेम तथा राधा-कृष्ण की उपासना की प्रमुखता है।

सहजमित्र पुं. (तत्.) जो स्वाभाविक रूप से मित्र हो।

सहजयान पुं. (तत्.) वज्रयान की एक साधना-पद्धति जिसमें प्रज्ञा और उपाय अथवा शून्य और करुण के सहगमन को साधा जाता है और सहज स्वभाव धारण किया जाता है।

सहजयानी वि. (तत्.) सहजयान संबंधी पुं. वह जो सहजयान का अनुयायी हो।